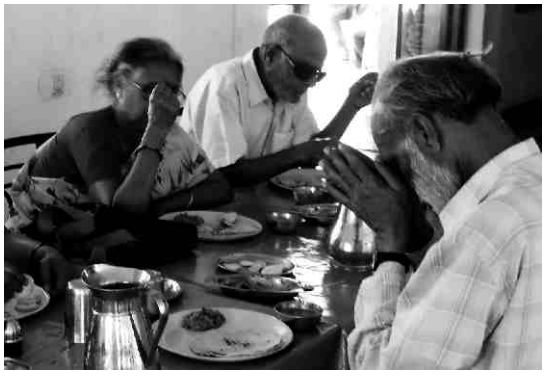

ज्योतिर्मय जीवन

जीवन अस्थिर अनजाने ही, हो जाता पथ पर मेल कहीं,
सीमित पग डग, लम्बी मंजिल, तय कर लेना कुछ खेल नहीं,
दाएँ-बाएँ सुख-दुख चलते, सम्मुख चलता पथ का प्रसाद,
जिस-जिस से पथ पर स्नेह मिला, उस-उस राही का धन्यवाद।

तारांशु

मासिक

मार्च, 2013

वर्ष 1, अंक 8, पृ.सं. 20 संपादक :- कल्पना गोयल

आशीर्वाद -
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

मुख्य संरक्षक तारा संस्थान -
श्री एन.पी. भार्गव
उद्योगपति एवं समाज सेवी, दिल्ली

मूल्य - 5 रुपये

स्व. लाला श्री बीरसेन जैन (कागजी)
जन्म दिनांक - 11/09/1926

सादर श्रद्धांजलि

स्नेह भरे हाथ, सर पर फिरे।
पाया सब कुछ, कैसे आपको पाये।
याद आपकी, कैसे भुलाएँ।
दी हुई दुआएँ, अब कैसे गिनाए...

''तारा'' परिवार

तारा संस्थान को वाहन (VAN) भेंट

दाएँ से श्री सत्यभूषण जैन, डॉ. कैलाश मानव, श्री विनय जैन, श्री दीपेश मित्तल एवं श्री मुकेश मेनारिया, वाहन (VAN) के साथ

तारा संस्थान के हितैषी दिल्ली निवासी समाजसेवी एवम् उद्योगपति श्री सत्यभूषण जी जैन एवम् श्रीमती सुषमा जैन की प्रेरणा से स्व. लाला श्री बीरसेन जैन (कागजी) की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती दर्शनी देवी जैन (देवकी माता) एवं सुपुत्र श्री विनय जैन, मिट्ठनलाल जैन एवं सन्स, चावड़ी बाजार, दिल्ली ने तारा संस्थान को रोगियों की परिवहन सुविधा हेतु एक वाहन भेंट किया है। दिनांक 1 मार्च, 2013 को नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के संस्थापक एवं प्रबन्धन्यासी डॉ. कैलाश जी मानव के सन्निध्य में आयोजित एक सादे व गरिमामय समारोह में यह वाहन तारा संस्थान को भेंट किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए श्री सत्यभूषण जैन ने अपने श्वसुर स्व. श्री लाला बीरसेन जैन के लोक-कल्याणकारी कार्यों में आजीवन दान सहयोग सेवा का उल्लेख किया। स्व. लालाबीर सेन जैन के सुपुत्र श्री विनय जैन ने अपने स्व. पिताजी की भावनाओं के अनुरूप सेवा कार्यों को निरन्तर सम्बल देने का आश्वासन देते हुए 'तारा संस्थान' के माध्यम से इस वर्ष बारह मोतियाबिन्द जाँच शिविर आयोजित करवाने का संकल्प व्यक्त किया। तारा नेत्रालय दिल्ली प्रभारी श्री मुकेश मेनारिया भी इस अवसर पर उपस्थित थे। यह उल्लेखनीय है कि स्वर्गीय लाला बीरसेन के दामाद श्री सत्यभूषण जैन विगत महीनों से प्रतिमाह 1 शिविर आयोजित करवा रहे हैं।

तारांशु - वर्ष 1, अंक - 8, मार्च, 2013

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
तारा संस्थान को वाहन भेंट	02
अनुक्रमणिका	03
भूखे को भोजन	04
तृप्ति का सुख	05
गौरी सेवा	06
तृप्ति सेवा	07
आन्नद वृद्धाश्रम में शोक की लहर	08
मोतियाबिन्द जाँच चयन शिविर	09-13
सेवा के सवेग	14
Tara Contact	15
Thanks our to Doner	16-18
जीतने वाला बनाम हारने वाला	19

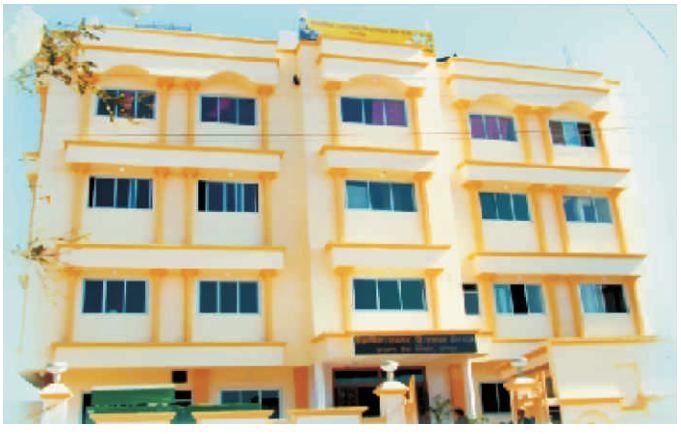

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर - 313002

तारांशु मासिक, मार्च, 2013
'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

सम्पादकीय

भूख को भोजन

मरुस्थाल्यां यथा वृष्टिः क्षुधार्ते भोजनं तथा।
दरिद्रे दीयते दानं सफलं तत्पाण्डुनन्दन।।
भगवान श्री कृष्ण

जीवित रहने के लिए भोजन आवश्यक है। शरीर को चलाने के लिए भी भोजन की आवश्यकता होती है। पर, सभी ऐसे भाग्यवान नहीं होते, जिन्हें दो समय भरपेट भोजन मिलने की निश्चित आश्वस्ति हो। निर्धन परिवारों की ऐसी ही स्थिति है। ग्रामीण व सुदूरदर्शी आदिवासी क्षेत्रों में यह स्थिति अधिक ही शोचनीय है। ऐसे में उन बुजुर्गों की पीड़ाएँ तो वर्णनातीत है - अकेले हैं, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं। यदि कोई है भी, तो वे अपना गुजर-बसर चलाने के लिए नौकरी की तलाश में शहरों में चले गये हैं, बुजुर्गों को अपने हाल पर अकेला छोड़कर। इन बुजुर्गों के पास आजीविका चलाने का कोई साधन नहीं। गाँवों में कोई काम-धन्धा या मजदूरी मिलती ही नहीं, और ये नि:शक्त बुजुर्ग बन्धु आधे समय भूखे पेट ही रहने को विवश हैं। गाँवों में गरीबी का ऐसा विकराल रूप है कि कोई गाँववासी दयावश चाहकर भी इन बुजुर्गों की सहायता करने की स्थिति में नहीं होता।

दूसरी ओर शहरों, कस्बों में ऐसे अनेक करुणाशील दयालु महानुभाव हैं, जो इन बुजुर्गों को भोजन की सुविधा सुनिश्चित करवाने में समर्थ हैं। 'तारा संस्थान' ने 'तृप्ति योजना' के माध्यम से इन असहाय बुजुर्गों को नियमित रूप से प्रतिमाह खाद्य सामग्री सहायता पहुँचाने की पहल की है। 'तारा संस्थान' इन बुजुर्गों को 1500 रु. मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता (300 रु. नकद सहित) इनके घर तक पहुँचा रहा है। वर्तमान में 252 बुजुर्ग तृप्ति योजना में सहायता प्राप्त कर रहे हैं। 'तारा' ने सर्वेक्षण में ऐसे लगभग 500 बुजुर्गों की पहचान की है, जिन्हें खाद्य-सामग्री सहायता की तत्काल एवं नितान्त आवश्यकता है। पर हमारे संसाधन सीमित हैं। दान-दाताओं से दान सहयोग अविच्छिन्न रूप से प्राप्त होते रहने पर ही इस संख्या में बढ़ोतरी संभव है।

मैं करुणहृदय दानदाताओं से निवेदन करना चाहती हूँ, कि वे इन भूख से व्याकुल हमारे बुजुर्गों के लिए उदारतापूर्वक दान-सहयोग प्रेषित करें, जिससे इन अभावग्रस्त वृद्धजनों को भूख से मुक्ति दिलाई जा सके। आपके सौजन्य से खाद्यसामग्री सहायता प्राप्त करने वाले बुजुर्गों के नाम-पता-फोटो आदि विवरण हम आपको भेजते रहेंगे, जिससे आपको अपने दान के मानवीय सेवा में उपयोग की संतुष्टि मिल सके।

आप इन क्षुधार्त बुजुर्गों को एक माह, तीन माह, छह माह, एक वर्ष या आजीवन खाद्य-सामग्री सहायतार्थ दान-सहयोग का अपनी रुचि और क्षमता के अनुरूप संकल्प लें, यही मेरा आपसे मानवीय निवेदन है।

कल्पना गोयल
संस्थापक एवम् अध्यक्ष

तृप्ति का सुख

(तारा द्वारा तृप्ति योजना के माध्यम से ऐसे वृद्धजनों को घर में मासिक राशन मुहैया कराया जाता है जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं है और वे शारीरिक रूप से इतने अक्षम है कि वे मेहनत कर दो वक्त का भोजन भी नहीं जुटा सकें)

तृप्ति की सूची में एक नाम बसन्ती नाम की महिला का था जो कि केवल 25 वर्ष की थी... तो फिर इसे तृप्ति योजना में क्यों शामिल किया यह प्रश्न दिमाग में आया....

जब उत्तर सामने आया तो लगा कि सचमुच ईश्वर ने मनुष्य में कितनी जिजीविषा दी है कि कठिन से कठिन परिस्थिति में भी वो जीवन जीने की राह निकाल लेता है।

बसन्ती जो मात्र 25 वर्ष की है उसकी दोनों आँखें 5 वर्ष की आयु में ही खराब हो गई थी।

माता-पिता बचपन में ही गुजर गये थे... एक छोटा भाई व दो बहनें हैं जो अभी अपनी भुआ के पास रहते हैं, ये वहाँ क्यों नही गई या यूँ कहें इन्हें भुआ क्यों नहीं ले गई ये प्रश्न हमने नहीं किया...

बसन्ती के पास रहने को एक कमरा है जिसमें वो अकेली रहती है। खाने को पड़ोसी दे देते थे ये खा लेती थी वरना कभी भूखी ही सो जाती थी जीवन चल रहा था.... वो अपना काम खुद करती है... स्टोव पर खाना बनाना... बर्तन माँजना... कपड़े धोना...

इन्हें तारा संस्थान में कोई लेकर आया और इन्हें हमने तारा की तृप्ति योजना में शामिल कर लिया ..... शुक्र है कोई लिखित कानून नहीं। कि केवल वृद्ध लोगों को ही तृप्ति में लेना है यह लगना भर पर्याप्त था कि बंसती को जरूरत है.... और आवश्यकता थी किसी मदद करने वाले की.....

मदद करने वाले मिल गए और अब बसंती को हर महीने राशन मिलता है साथ में तीन सौ रुपये जिन्हें मुट्ठी में लेने से उसे भी ताकत का एहसास होता होगा.....पैसे की ताकत नहीं , एक छोटी सी स्वतन्त्रता कि मन में कुछ आया तो खरीद लिया.....

ये जो छोटा सा सुख है न उसके मायने बसंती के लिए क्या है कोई उस से मिलकर पूछे...

एक 25 साल की लड़की जिसे दिखाई नहीं देता, जिसका कोई नहीं, कोई सहारा देने वाला भी नहीं उसे तारा के माध्यम से ऐसे लोगों ने सहारा दिया जो उसे जानते भी नहीं जो दिल्ली, मुम्बई, कोलकाता या किसी गाँव के भी हो सकते हैं लेकिन यही है मानवता ना....

अंत में यही कि आपके आसपास कोई जीवन से निराश है तो... एक बार बसंती से मिलने उदयपुर भेज दीजिएगा।

– दीपेश मित्तल

गौरी सेवा योजना

हम निरन्तर यह प्रयास कर रहे हैं कि दानदाताओं के आर्थिक सहयोग से अधिकाधिक असहाय विधवा महिलाओं को गौरी योजना में सम्मिलित किया जाए। इस योजना में दानदाताओं से प्राप्त पूरी की पूरी सौजन्य राशि इन विधवा महिलाओं को सहायता के रूप में प्रतिमाह नियमित रूप से उनके बैंक खातों में जमा करवाई जा रही है। यह बहुत ही अल्प राशि है, तथापि जिनका कोई सहारा नहीं है, उनके लिए यह महत्त्वपूर्ण अनुग्रह है। इस योजना में गत दिनों सम्मिलित की गई कुछ महिलाएँ ये हैं –

श्रीमती अनिता जैन निवासी – जयपुर के पति का निधन कैंसर की बीमारी के कारण 4 वर्ष पूर्व हो गया। एक छोटी बच्ची है और ये किराये के मकान में रह रही है। अपना और बेटी का भरण – पोषण, बेटी की पढ़ाई का व्यय और मकान किराया जुटा पाना भी इनके लिए बहुत मुश्किल हो रहा है। तारा ने इन्हें अपनी गौरी योजना में सम्मिलित कर लिया है।

31 वर्षीय पुष्पा देवी, उदयपुर जिले के कानोड़ कस्बे में रहती है। 2 वर्ष पूर्व इनके पति का निधन हो गया। इन पर अपने 2 बच्चों सहित विधवा सास की भी जिम्मेदारी है। और आय का कोई स्रोत्र नहीं। जिन्दगी मुश्किलों से भरी हुई है। तारा ने इन्हें 1000 रुपया नकद प्रति माह देकर इनकी तकलीफों को आंशिक रूप से कम करने का प्रयत्न किया है।

बड़गाँव (उदयपुर) की निवासी श्रीमती वन्दना श्रीमाली की आयु 32 वर्ष है। इनके पति का निधन अप्रेल, 2012 में हुआ। इनके 2 पुत्र हैं एवम् वृद्ध सास है, जिनकी जिम्मेदारी इनके ऊपर ही है। आय का कोई साधन नहीं है। बच्चों की पढ़ाई और अस्वस्थ सास का उपचार करने में बहुत तकलीफ हो रही है। तारा ने इन्हें जनवरी, 2013 से गौरी योजना में सहायता देना प्रारम्भ किया है, जिससे कि इनकी मुश्किलें कुछ आसान हो सके।

मानवीय संवेदनाओं को आहत करने वाली असहाय विधवा महिलाओं की पीड़ाओं को कुछ कम करने के प्रयास के प्रति यदि आप भी इच्छुक हों तो, कृपया प्रति विधवा महिला 1000 रु. प्रतिमाह की दर से – 01 माह, 03 माह, 06 माह, 01 वर्ष या इससे भी अधिक अवधि के लिए अपना दान-सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने का अनुग्रह करें।

तृप्ति सेवा योजना

तारा संस्थान द्वारा असहाय बुजुर्गों को प्रतिमाह खाद्य सामग्री वितरित करने की योजना में अभी 252 निर्धन बुजुर्ग लाभान्वित हो रहे हैं। इस समय 100 से अधिक बुजुर्गों ने खाद्य सहायता के लिए आवेदन किया हुआ है, जिन्हें दानदाताओं द्वारा सहयोग प्रायोजित करने पर तत्काल प्रभाव से सहायता पहुँचाई जा सकती है। तृप्ति में सहायता के लिए प्रतीक्षारत कुछ चेहरे।

गाँव - घोघरवाड़ा (खेरवाड़ा) निवासी पुंजी देवी के परिवार में कोई कमाने वाला नहीं है। इनके पति का निधन लगभग 15 वर्ष पूर्व हो चुका है। जैसे - तैसे इन्होंने अपनी दो पुत्रियों का विवाह करवाया। अब ये एकदम अकेली है, गुजारे का कोई साधन नहीं।

गुलाब बाई मेघवाल (65 वर्ष) गादोली (मावली) की रहने वाली है। इनके एक पुत्र था, जिसका कुछ समय पूर्व निधन हो गया। अब बहू एवम् अल्पवय पौते - पौती के भरण - पोषण की जिम्मेदारी भी गुलाब बाई पर ही है, और परिवार में आय का कोई साधन नहीं।

भंवरी बाई की आयु 60 वर्ष के ऊपर है। इनके पति ने इनका 40 वर्ष पूर्व से ही परित्याग कर रखा है। ये अपने पीहर में भाई के पास रह रही है। जब तक सक्षम थी, मेहनत मजदूरी करके अपना गुजारा कर लेती थी। परन्तु, अब मजदूरी नहीं कर पाती है। हालात बहुत खराब है।

नयागाँव (खेरवाड़ा) निवासी जमना बाई के परिवार में एक बेटा है परन्तु कुछ मदद नहीं करता है। जमना बाई की आयु 62 वर्ष है और इनके पति का देहान्त 15 वर्ष पूर्व हो गया। एकदम अकेली है, गुजारे का कोई साधन नहीं और बीमारी की वजह से मजदूरी करने में असमर्थ है।

'तृप्ति योजना' के अन्तर्गत प्रत्येक बुजुर्ग को निम्नानुसार मात्रा में 1500/- मूल्य की खाद्य-सामग्री सहायता प्रतिमाह वितरित की जा रही है।

आटा - 10 कि.ग्रा., चावल - 2 कि.ग्रा., दालें - 1.5 कि.ग्रा., खाद्य तेल - 1 कि.ग्रा., शक्कर - 1.5 कि.ग्रा., मसाले (धनिया, मिर्च, हल्दी) - 500 ग्रा., नमक - 1 कि.ग्रा., साबून - 2, नकद राशि - रु. 300 (शाक - सब्जी के लिए)। खाद्य - सहायता व्यय - रु.1500 प्रति व्यक्ति, प्रतिमाह

वर्तमान में तृप्ति योजना के अन्तर्गत 252 बुजुर्ग बन्धुओं को प्रतिमाह उपर्युक्त मात्रानुसार खाद्य सामग्री पहुँचाई जा रही है। आपके सहयोग सौजन्य से यह संख्या 500 करने का लक्ष्य है।

आपसे प्रार्थित खाद्य-सामग्री सहयोग-सौजन्य राशि
रु. 4500 (3 माह), रु. 9000 (6 माह), रु. 18000 (एक वर्ष)

आनन्द वृद्धाश्रम में शोक की लहर

विगत एक वर्ष से आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे श्री दिगेन्द्र नाथ लाहिड़ी का 77 वर्ष की आयु में 24 फरवरी, 2013 को निधन हो गया। श्री लाहिड़ी सरल, शान्त स्वभाव के बहुत ही मिलनसार व्यक्ति थे। आपके निधन से आनन्द वृद्धाश्रम में शोक व्याप्त हो गया। उनके निधन की सूचना पर दिल्ली निवासी उनके परिजन उदयपुर पहुँचे और अन्तिम संस्कार में भाग लिया। श्री लाहिड़ी का उदयपुर में ही अन्तिम संस्कार किया गया। 25 फरवरी को आयोजित शोक सभा में संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल एवम् मुख्य कार्यकारी श्री दीपेश मित्तल ने दिवगंत श्री लाहिड़ी को श्रद्धांजलि अर्पित कीं और वृद्धाश्रम में ही आवास कर रही उनकी धर्मपत्नी श्रीमती अंजलि लाहिड़ी को सांत्वना दी। अभी विगत 9 अगस्त को ही आनन्द वृद्धाश्रम में श्री एवम् श्रीमती लाहिड़ी के विवाह की 53वीं वर्षगाँठ हर्ष और उल्लास से मनाई गई थी।

स्व. श्री लाहिड़ी के परिजन श्राद्ध-हवन करते हुए

कुछ समय पूर्व ही विवाह की 53वीं वर्षगाँठ मनाई गई थी।

आप भी यदि किसी असहाय बुजुर्ग बन्धु के लिए 'आनन्द वृद्धाश्रम' में आवास की मानवीय सुविधा उपलब्ध करवाने की सेवा भावना रखते हैं, तो कृपया प्रति बुजुर्ग 5000 रु. प्रतिमाह की दर से अपना दान सहयोग 'तारा संस्थान' को प्रेषित करने की कृपा करें।

01 माह - 5000 रु., 03 माह - 15000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 वर्ष - 60000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यत: पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द-ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा नि:शुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। नि:शुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित है।

शिविर विवरण

'तारा संस्थान' द्वारा माह जनवरी – फरवरी, 2013 की अवधि में आयोजित मोतियाबिन्द जाँच, चयन शिविर व ऑपरेशन का संक्षिप्त विवरण

दिनांक	स्थान	सौजन्यकर्त्ता	कुल ओ.पी.डी.	ऑपरेशन
07 जनवरी, 13	तारा नेत्रालय, नवादा, 720 – मैट्रो पिलर के सामने, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	श्री खुशबू फैशन, परवेश कुमार चावला, निवासी – दिल्ली	91	06
15 जनवरी, 13	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री त्रिवेणी देवी अवस्ती, निवासी – झांकी	123	09
16 जनवरी, 13	सत्या फार्म, बृजवासन, पुष्पांजलि के सामने, पालम गाँव, दिल्ली	श्रीमती सत्या रानी जी भाटिया, निवासी – दिल्ली	130	04
02 फरवरी, 13	राजीव गाँधी सेवा केन्द्र, गाँव – सवना, वल्लभनगर, उदयपुर (राज.)	श्री डी.वी. लक्ष्मी कान्त राव, निवासी – अदिलाबाद (आ.प्र.)	131	20
03 फरवरी, 13	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्री राधेश्याम जी (पिताजी), श्रीमती उमा (पत्नी), निवासी – इच्छलकरणजी	117	09
04 फरवरी, 13	पटवार मण्डल, गाँव – कानपुर (मादड़ी), गिर्वा, उदयपुर (राज.)	जिला अन्धता निवारण समिति, उदयपुर (राज.)	173	09
04 फरवरी, 13	तारा नेत्रालय, 236, सेक्टर – 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)	श्रीमान् जितेन्द्र कुमार जी, निवासी – रामपुर (यू.पी.)	104	05
05 फरवरी, 13	तारा नेत्रालय, नवादा, 720 – मैट्रो पिलर के सामने, उत्तम नगर, दिल्ली – 59	श्रीमान् सुनील बी. राय, निवासी – मुम्बई	109	11
10 फरवरी, 13	गातोड़िया बावजी, गाँव – ईडरा, तहसील– डुंगला, जिला – चित्तौड़गढ़ (राज.)	श्रीमती रेणु जी छाबड़िया एवं समस्त छाबड़िया परिवार, निवासी – मुम्बई (महाराष्ट्र)	105	09

दिल्ली व निकटवर्ती क्षेत्रों से चयनित मोतियाबिन्द रोगियों के ऑपरेशन 'तारा नेत्रालय' नवादा, उत्तम नगर, दिल्ली में व उदयपुर (राजस्थान) से चयनित रोगियों के ऑपरेशन 'तारा नेत्रालय' उदयपुर में करवाए जा रहे हैं।

Helpline Pharmacy
(Run By : Charitable Trust)
संस्था द्वारा दवाईयाँ 50% औसत छूट पर उपलब्ध है।
धार्मिक संस्था की इस दुकान पर मरीज़ों की सहायता के लिए
ज़ुकाम से कैंसर तक की सभी विश्वसनीय दवाईयाँ औसतन
आधे दामों (50%) पर उपलब्ध है। सभी फायदा लें।
18/4, Main Road, Yusuf Sarai Market, New Delhi-110016
Phone : 46072742, 32049150, 32049151, 9268823657
E-mail : headoffice@mauria.com Website : www.helplinepharmacy.org

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

पारस

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

आस्था भजन

'आस्था भजन' चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

एमए टी वी

'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

शिविर में उपस्थित विशिष्ट अतिथि

दिनांक : 10 फरवरी, 2013, स्थान : महाराजा अग्रसेन हॉस्पीटल (रजि.) डी ब्लॉक, अशोक विहार, फेस - I, दिल्ली - 5
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती सुषमा जैन धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन, माताश्री - श्री पीयूष जैन, श्री पंकज जैन (ऋषभ पेपर, दिल्ली)
कुल ओ.पी.डी. - 272, ऑपरेशन के लिए चयनित - 14, चश्मे - 75

शिविर में जाँच हेतु उपस्थित नेत्र रोगी

दिनांक : 11 फरवरी, 2013, स्थान : आर्य समाज मन्दिर, पोकेट - एफ एवं जी, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76
सौजन्यकर्त्ता : समस्त अरोड़ा परिवार, पोकेट एफ - 223, सरिता विहार, नई दिल्ली - 76
कुल ओ.पी.डी. - 272, ऑपरेशन के लिए चयनित - 09

जाँच की प्रतीक्षा में कतारबद्ध नेत्र रोगी

दिनांक : 17 फरवरी, 2013, स्थान : मोर्या उद्योग लिमिटेड, सोहना रोड, सेक्टर - 25, फरीदाबाद - 121004
सौजन्यकर्त्ता : मोर्या उद्योग लिमिटेड, सोहना रोड, सेक्टर - 25, फरीदाबाद - 121004
कुल ओ.पी.डी. - 635, ऑपरेशन के लिए चयनित - 10

40 वीं शादी की सालगिरह पर शिविर सौजन्यकर्त्ता परिवार

दिनांक : 18 फरवरी, 2013, स्थान : लॉयन्स क्लब दिल्ली ऐरिस्टकोक्रेट 321 ए-3 एवं गुरुद्वारा श्री गुरू सिंह सभा (रजि.)
जी ब्लॉक, शकूर पुर, दिल्ली
सौजन्यकर्त्ता : डॉ. विजय आनन्द गुप्ता एवं श्रीमती निर्मल गुप्ता
कुल ओ.पी.डी. - 200, ऑपरेशन के लिए चयनित - 8

नाथद्वारा शिविर में मंचासीन सौजन्यकर्त्ता अतिथि

दिनांक : 19 जनवरी, 2013, स्थान : धीरज धाम, लम्बी सड़क, नाथद्वारा (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्री कोशिक भाई मोहन लाल गाँधी (मुम्बई), श्री शालीन सुनील चौकसी, श्री महेन्द्र मनीला नरसिंह, श्री लाल भाई गुलाब दास चौकसी, श्री अशोक भाई जरीवाला, श्री नवीन भाई गोलवाला, निवासी - नवसारी (गुज.)
कुल ओ.पी.डी. - 347, ऑपरेशन के लिए चयनित - 16, चश्मे - 170

सेमा में आयोजित शिविर के सौजन्यकर्त्ता

दिनांक : 19 दिसम्बर, 2013, स्थान : राजीव गाँधी केन्द्र, गाँव - सेमा, बस स्टैण्ड रोड (राज.)
सौजन्यकर्त्ता : श्रीमती पानीदेवी धर्मपत्नी श्री देवीलाल मादरेचा (जैन) सुपुत्र धर्मेन्द्र, पौत्र - जयेश धीरज, गाँव - सेमा, हाल - मुम्बई - डोम्बीवली, कुल ओ.पी.डी. - 284, ऑपरेशन के लिए चयनित - 11, चश्मे - 100

सेवा के सवेग

स्मृतिशेष आदर्श सेवाधर्मी श्रीयुत् श्री नन्दन जी गोयल

दुनिया में सेवाभावी लोगों की कमी नहीं है और परोपकार के किस्से भी हजारों हैं, लेकिन एक सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी की अनूठी सेवा ने अभी तक 60 कैदियों को जेल की कालकोठरी से बाहर निकाला है।

यूको बैंक से सेवानिवृत्त एस.एन. गोयल ने प्रदेश के 60 ऐसे कैदियों को जेल की सलाखों से मुक्ति दिलाई है, जो न्यायालयों द्वारा दी गई सजा तो काट चुके थी लेकिन अर्थदण्ड की राशि जमा न करने के कारण जेल से आजाद नहीं हो पाए थे।

इतना ही नहीं, श्री एस. एन. गोयल प्रतिवर्ष सर्दी के मौसम में निर्धन बन्धुओं को 500 कम्बल वितरित करते थे, अमर कण्टक में कुष्ठ रोगियों के आश्रम में जाकर सेवा एवम् दान देते थे। गरीबों को कपड़े और अन्न वितरित करते थे। ऐसे सेवाभावी सहृदय श्री एस.एन. गोयल के 9 जनवरी, 2013 को निधन के समाचार से तारा संस्थान परिवार शोक मग्न है।

किसको है प्यार सबसे ज्यादा ?

जब नन्हा राजु कहता है – मैं तुमसे प्यार करता हूँ माँ
फिर अपने भी काम को छोड़ कर
वो टोपी उछालता हुआ बगीचे में झूलने चला जाता है
और छोड़ जाता है माँ को पानी भरने और लकड़ियाँ लाने के लिए।
जब मीना कहती है – मैं तुमसे प्यार करती हूँ माँ
इतना कि शब्दों में बया करना मुश्किल है
तो वह आधे दिन तक माँ को परेशान करती रही,
और जब वह खेलने चली गई तो माँ ने राहत की सांस ली।
मैं भी तुमसे प्यार करती हूँ माँ – इस बार प्रीति ने कहा
मै कितनी खुश हूँ कि आज स्कूल बंद है,
इसलिए मैं आज जी भरकर तुम्हारी मदद करूँगी।
और वह छोटे भाई को लेकर झुलाती रही
जब तक कि वह सो न गया
फिर उसने झाड़ू उठाई और फ़र्श साफ़ किया
वह पूरे दिन काम करती रही और ख़ुश रही
उतनी ही खुश और मददगार जितना कि एक बच्चा हो सकता है
हम तुम्हें प्यार करते हैं माँ – तीनों ने फिर कहा
और सोने के लिए चले गए
आपकी समझ में उस माँ की क्या राय थी
किसको है प्यार सबसे ज्यादा उससे ?

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regeslation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries)

'Tara' Centre - Incharge

Shri S.N. Sharma
Mumbai (M.S.)
Cell : 09869686830

Shri Prem Kumar Mata
Banswara (Raj.)
Cell : 09414101236

Shri Prahlad Rai Singhaniya
Hyderabad (A.P.)
Cell : 09849019051

Prabha Ji Jhanwar
Amrawati
Cell : 09823066500

Shri Pawan Sureka Ji
Madhubani (Bihar)
Cell : 09430085130

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136, 08821825087

Shri Naval Kishor Ji Gupta
Faridabad (HR.)
Cell : 09873722657

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (MP)
Cell : 09424506021

Shri Kulbhushan Parashar
Birmingham (England)
Cell : (0044) 121 5320846, (0044) 7815430077

Shri Satyanarayan Agrawal
Kolkata
Cell : 09339101002

Shri Sethmal Modi
Dumka (Jharkhand)
Cell : 09308582741

Shri Vikas Chaurasia
Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006
09414473392

'Tara' Contact Details - Office

Mumbai Ashram
Mahendra & Mahendra Implies Co. H. Society
Park View Builing, B - 26 IInd Floor,
Kulupawadi, Boriwali (E) Mumbai 400066
Shri Amit Vyas Cell : 07666680094
Shri Madhusudan Sharma Cell : 09870088688

Gurgaon Ashram
B-30, Old DLF Colony,
Sector - 14,
Gurgaon (Haryana)
Shri Kamlesh Joshi
Cell : 08285240611

Delhi Ashram
S-17, Parampuri, Ground Floor,
Near Shri Shwetamber Jain Sthanak,
Uttam Nagar, Delhi 110056
Shri Amit Sharma,
Cell : 09999071302, 09971332943

Surat Ashram
295, Chandralok Society,
Parwat Gaon,
Surat (Guj.)
Shri Prakash Acharya
Cell : 09829906319

Area Specific Tara Sadhak

Shri Kamal Didawania
Area Chandigarh, Haryana
Cell : 08950765483 (HR)
09001864783

Shri Bhanwar Devanda
Area NCR
Cell : 09660153806
09649999540

Shri Sanjay Chaubisa
Area Delhi
Cell : 09602506303

घोषणा - पत्र

फार्म - 4 (देखिये नियम - 8) (तारांशु के संबंध में स्वामित्व का विवरण और अन्य विशिष्टियां)

प्रकाशन का स्थान 240 ए, हिरण मगरी, सेक्टर 6, उदयपुर (राज.)
प्रकाशन की नियत कालिका मासिक
मुद्रक का नाम : श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश)
प्रकाशक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 - ए, सेक्टर - 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)

सम्पादक का नाम : श्रीमती कल्पना गोयल
राष्ट्रीयता : भारतीय
पता : 240 - ए, सेक्टर - 06, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.)
नाम व पता उन व्यक्तियों का जो समाचार पत्र का स्वामित्व रखते हैं और उनका जो कुल पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक हिस्से के अंशधारी या साझेदार हैं।: श्रीमती कल्पना गोयल, पूर्ण स्वामित्व, 240 ए, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.),
क्र.सं. 3 व 4 के अनुसार मैं श्रीमती कल्पना गोयल एतद्द्वारा घोषणा करती हूँ कि उपर्युक्त दी गई विशिष्टियाँ मेरी अधिकतम जानकरी में एवं विश्वास से सत्य है।
दिनांक : 01.03.2013

कल्पना गोयल
प्रकाशक के हस्ताक्षर

NAME AND PLACE OF THE DONORS, WE ARE GRATEFUL TO THEM

Donors are requested kindly to send their photographs alongwith Donation for publishing in TARANSHU

Mr. Mohan Lal & Mrs. Rukmani Kuwamat
Jaipur

Mr. Pawan & Mrs. Kusum Jain Chuna Bhatti
Mumbai

Mr. Surendra Singh & Mrs. Aruna Kanwar
Hubali (Karnatak)

Mr. L.P. Gupta & Mrs. Meera Gupta
Bilaspur (CG)

Mr. Rajkumar Mani Lal & Mrs. Jayshree Patel
Aurangabad (MH)

Mr. Kailash & Mrs. Geeta Goel
West Vihar, New Delhi

Mr. Inder Kumar & Mrs. Charulata Mutha
Aurangabad (MH)

Mr. Indra Dev & Mrs. Santosh Gulati
Bulandshahar

Lt. Mr. Umakant Shrivastava &
Mrs. Ram Sakhi Devi, Varanasi (UP)

Mr. Champa Lal & Mrs. Prabha Devi
Aurangabad (MH)

Mr. Kapil & Mrs. Piki Garg with Family
Faridabad (HR)

Mr. Suresh Chandra & Wife

Mr. H.M. Lal & Mrs. Shakuntala Shrivastav
Kanpur

Mr. Shayam Lal & Mrs. Kusum Lata
UP

Mr. Narendra Prasad Saxena & Wife
Shahjahpur (UP)

Mr. Manav Garg & Miss. Nidhi Garg
Faridabad (HR)

Lt. Mr. Sukhlal Madarecha
Sema (Raj.)

Mrs. Geeta Devi Kedia
Korba (CG)

Mr. Suresh Kumbhar
Jodhpur

Mr. Suresh Kumar Kanodiya
Kolkata

Mr. Surendra Singh Chandra
Delhi

Mrs. Sudha Consul
Jaipur

Mrs. Sivita Agrawal
Kolkata

Mahi Sharma
Janjgir - Champa (CG)

Chanchal Sharma
Janjgir - Champa (CG)

Lt. Mrs. Gyan Devi
Rajendra Nagar, Delhi

Mrs. Asha Arora
New Delhi

Mr. Krishna Lal Arora
New Delhi

Mr. Mohan Lal & Mrs. Shobha Agrawal
Bangalore

Mr. Naresh Chandra Varma & Wife
Gorakhpur (UP)

Mr. Rajesh & Mrs. Soniya Ahooja

Mr. Mannu lal & Mrs. Meena Gupta
Jaipur

Mr. D.P. Bansal & Mrs. Kusum Lata Agrawal
Jaipur

Mr. Suresh Chandra & Mrs. Renu Jain
Jagidhari (HR)

Mr. Bishan Swaroop & Mrs. Bala Gupta
Karol Bagh, Delhi

Mrs. Jamuna Devi Surana
Agra

Mr. Gopal Krishna Batra
New Delhi

Mrs. Chandrakanta Bhargav
Ujjain (MP)

Mr. Nand Kishore Basmat
Higoli

Mr. Vijayraj Chaudhary
Rajendra Nagar, Indore

Miss. Saloni Agrawal
Jaipur

Mr. Himanshu Agrawal
Jaipur

Mr. Girdhar Lal Agrawal
Agra

Mr. Mukesh K. Agrawal
Agra

Mrs. Kavita Agrawal
Agra

Mr. Amit Goyal
Agra

Lt. Mrs. Roshmi Devi Arora
Jaipur

Lt. Mr. Yajhraj Sharma
Jaipur

Mrs. Cheta Devi Bhagwani
Agra

Mr. D.D. Goyal
Faridabad

Mr. Harish Arora
Jaipur

Lt. Mr. Madan lal Gupta
Ambala City (HR)

Mrs. Vibha Gupta
Bareilly

Lt. Dr. Sheela Tiwari
Bilaspur (CG)

Mr. Nagarmal Agrawal
Jaipur

Mrs. Sudha Sharma
Rampur (UP)

Miss Radhika Datt Pandey
Nagpur

Mr. Ravi Kumar Vaishya
Saidpur (Bareilly)

Miss. Disha Arora
Jaipur

Mr. Vedant Arora
Jaipur

Mr. Neeraj Agrawal
Mumbai

Mrs. Paru Agrawal
Mumbai

Mr. Anshu Agrawal
Mumbai

Lt. Mr. Pramod Pal Singh
Ambala

Mr. Mukesh Kumar Kher

Mr. Mitesh Rajdev
Rajkot

Mr. Mahesh Mantri
Beed (MH)

TARA SANSTHAN's EYE - HOSPITAL AT DELHI

Tara Netralaya, WZ-270, Navada, Metro Pillar 720, Uttam Nagar, Delhi - 110059

INCOME TAX EXEMPTION

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G (50%) and 35 AC (100%) of IT Act. 1961

Tara Sansthan Bank Account

ICICI Bank A/c No. 004501021965 — **IFS Code : icic0000045**
SBI A/c No. 31840870750 — **IFS Code : sbin0011406**
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 — **IFS Code : IBKL0001166**
Axis Bank A/c No. 912010025408491 — **IFS Code : utib0000097**
HDFC A/c No. 12731450000426 — **IFS Code : hdfc0001273**
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

We are thankful to the Management of Indian Oil Delhi,
for their generous cooperation in making "Donation-Gift" of a
PHECO machine to TARA NETRALAYA, Delhi
for facilitating Free Cataract Surgery.Always grateful -
Tara Sansthan, Udaipur

जीतने वाला बनाम हारने वाला

- जीतने वाला कहता है, ''मैं आपके लिए यह काम कर देता हूँ।''
  हारने वाला कहता है, ''यह मेरा काम नहीं है।''

- जीतने वाला कहता है, ''मुश्किल होने के बावजूद यह काम किया जा सकता है।''
  हारने वाला कहता है, ''इस काम को किया जा सकता है, पर यह बहुत मुश्किल है।''

- कोई गलती करने पर जीतने वाला कहता है, ''मैं गलत था।''
  हारने वाला से कोई गलती होती है, तो वह कहता है, ''इसमें मेरी कोई गलती नहीं थी।''

- जीतने वाला कहता है, ''मुझे कुछ करना है।''
  हारने वाला कहता है, ''कुछ होना चाहिए''।

- जीतने वाला टीम का हिस्सा होता है।
  हारने वाला टीम के हिस्से करता है।

- जीतने वाला लाभ को देखता है।
  हारने वाला संभावनाओं को देखता है।

- जीतने वाला ''सभी की जीत'' के सिद्धांत में विश्वास करता है।
  हारने वाला मानता है कि जीतने के लिए किसी का हारना ज़रूरी है।

- जीतने वाला आने वाले कल को देखता है।
  हारने वाला बीते कल को देखता हैं।

- जीतने वाला सोच कर बोलता है।
  हारने वाला बोल कर सोचता है।

- जीतने वाला विनम्र शब्दों में कड़े तर्क पेश करता है।
  हारने वाला कड़े शब्दों में कमजोर तर्क पेश करता है।

- जीतने वाला बुनियादी मूल्यों पर मज़बूती से टिका रहता है। पर छोटी - मोटी चीजों पर समझौता कर लेता है।
  हारने वाला छोटी - मोटी बातों पर अड़ जाता है, लेकिन मूल्यों पर समझौता कर लेता है।

- साभार संकलित

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक समाचार पत्र, मार्च, 2013

RNI. No. - RAJBIL/2011/42978, Postal Reg. No. - RJ/UD/29-102/2012-2014, Dates of Posting - 11th to 18th each month at Udaipur H.O.

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर, राजस्थान से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

तारा संस्थान के नि:शुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

01 ऑपरेशन - 3000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 17 ऑपरेशन - 51000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान में) - 71000 रु.

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 21 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर (राजस्थान से बाहर) - 100000 रु.

चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.

सहयोग राशि - आजीवन संरक्षक 21000 रु., आजीवन सदस्य 11000 रु. (संचितनिधि में)

आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा **80G** (50%) व **35AC** (100%) के अन्तर्गत आयकर में छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, **अथवा :** अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank A/c No. 004501021965 IFS Code : icic0000045
SBI A/c No. 31840870750 IFS Code : sbin0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645 IFS Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491 IFS Code : utib0000097
HDFC A/c No. 12731450000426 IFS Code : hdfc0001273
Pan Card No. Tara - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस' चैनल पर प्रसारण
अपराह्ण 3.40 से 4.00 बजे,
रात्रि 9.20 से 9.40 बजे

'आस्था भजन'
चैनल पर प्रसारण
प्रात: 8.40 से 9.00 बजे

एमए टी वी
'एमएटीवी' चैनल पर प्रसारण
रात्रि 8.10 से 8.30 बजे

बुक पोस्ट

Tara
ज्योतिर्मय जीवन

तारा संस्थान

डीडवाणिया (रतनलाल) नि:शक्तजन सेवा सदन
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : tarasociety@gmail.com,
tara_sansthan@rediffmail.com
Website : www.tarasociety.org